पेपर लीक मामले में एसओजी टीम ने दौसा व महुवा में दबिश दी

लालसोट/दौसा, (निसं)। प्रदेश में हुए पेपर लीक और डमी कैंडिडेट मामले को लेकर एससोजी (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) पूरे एक्शन मोड में नजर आ रहा है। पिछले दिनों पेपर लीक और डमी कैंडिडेट बैठाने मामले को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा बैठक लेने के बाद अब एसओजी की टीम तेजी से संदिग्ध जगहों पर दबिश दे रही है।

पेपर लीक मामले में रविवार को दौसा के लवकुश नगर में एसओजी ने दबिश दी। जेईएन भर्ती पेपर लीक प्रकरण और प्रतियोगी परीक्षाओं में डमी कैंडिडेट बिठाने के मामलों को लेकर एसओजी का एक्शन लगातार जारी है। रविवार को जयपुर एसओजी की टीम ने दौसा जिला मुख्यालय व महुवा क्षेत्र के एक गांव में दबिश दी। एएसपी नरेंद्र मीणा के नेतृत्व में टीम ने आरोपी रिंकू शर्मा के लवकुश नगर के आवास पर तलाशी ली और कई घंटे तक सर्च किया।

एसओजी की एक टीम महुवा के टिकरी जाफरान गांव भी पहुंची। जहां स्वरूप मीणा के घर पर दबिश दी। पेपर लीक मामले में एसओजी को स्वरूप मीणा की तलाश है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए टीम द्वारा लगातार दबिश दी जा रही है।

एएसपी नरेंद्र मीणा ने बताया एडीजी वीके सिंह के निर्देश पर पेपर लीक प्रकरण से जुडे मामलों की जांच जल्द पूरी करने व सभी आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर लगातार कार्यवाही की जा रही है। दौसा जिले में भी पेपर लीक प्रकरण से जुडे संदिग्ध आरोपी चिन्हित किए हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। वहीं एसओजी टीम ने पेपर लीक के मास्टर माइंडों को जेल से गिरफ्तार भी किया हैं।

इनमें उदयपुर जेल से भूपेन्द्र सारण, अशोक नाथावत, अजमेर जेल से शेर सिंह मीणा और जयपुर जेल से जगदीश विश्नोई को 10 दिन की रिमांड पर लिया हैं। संदिग्ध चिन्हित जगहों पर लगातार दबिश दे रहे। पेपर लीक से जुडे मामले में एसओजी रिंकू शर्मा की पत्नी की भूमिका की भी जांच कर रही है। वहीं पूर्व में रिंकू शर्मा का भाई जो सरकारी स्कूल में लाइब्रेरियन है, उसकी नौकरी के दस्तावेज पूर्व में जिला शिक्षा अधिकारी विभाग से लिए थे उनकी भी एसओजी जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि इन सभी के तार पूर्व में एसओजी द्वारा गिरफ्तार किए गए महुवा निवासी हर्षवर्धन पटवारी से जुडे हुए हैं। फिलहाल हर्षवर्धन पटवारी एसओजी की रिमांड पर है। टीम डमी कैंडिडेट बिठाने के मामले को लेकर जांच में जुटी है। वही एसओजी की लगातार दबिश देखकर उन कैंडिडेट में भारी बेचैनी बनी हुई है जिन्होंने पेपर लीक सहित डमी कैंडिडेट को लेकर खुद की भूमिका निभाई थी और अब उन्हें पकडे जाने का डर सता रहा है।

दौसा जिला मुख्यालय पर विभिन्न जगहों पर रविवार को एसओजी ने पेपर लीक व डमी कैंडिडेट मामले में दबिश दी ।

- पेपर लीक मामले में जयपुर एसओजी की टीम ने दौसा जिला मुख्यालय व महुवा क्षेत्र के एक गांव में दबिश दी।
- एसओजी की एक टीम महुवा के टिकरी जाफरान गांव भी पहुंची। जहां स्वरूप मीणा के घर पर दबिश दी।

नस काटकर बंदी ने की आत्महत्या

गंभीर हालत देख कर जेल स्टाफ उसे अस्पताल ले गया जहां इलाज के दौरान बंदी की मौत हो गई

श्रीगंगानगर। सेंट्रल जेल में एनडीपीएस मामले में जेल में बंद एक बंदी ने रविवार सुबह करीब 11 बजे हाथ की नस काटकर सुसाइड कर लिया। सुबह बंदी ने जेल के बाथरूम में शेविंग ब्लैड से हाथ की नस काट ली। नस काटने के बाद वह जोर.जोर से चिल्लाने लगा। आवाज सुनकर जेल स्टाफ मौके पर दौड़ा चला आया। बाथरूम का दरवाजा खटखटाने पर बंदी ने दरवाजा खोला। उसकी हालात गंभीर देखकर जेल स्टाफ उसे अस्पताल ले गया। जहां इलाज के दौरान बंदी की मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि मृतक विचाराधीन बंदी योगेंद्र पुत्र खानीराम श्रीगंगानगर जिले के गांव नेतेवाला का निवासी था। पिछले दिनों नशे के सामन की तस्करी करते हुए पुलिस ने उसे पकड़ा था। 29 फरवरी को उसे जेल भेज दिया गया। बंदी सुबह बाथरूम में गया था। जहां उसने शेविंग ब्लेड से अपने हाथ की नस काट ली। जेल के डॉक्टर शिवप्रीत ने गंभीर रूप से घायल बंदी की जांच की। हालत गंभीर देखते हुए उसे तत्काल श्रीगंगानगर के सरकारी अस्पताल भेज दिया गया। जहां उसकी मृत्यु हो गई। जेल सुपरिंटेंडेंट ने घटना की पुष्टि की बताया जा रहा है कि इस घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दे दी गई है। परिजनों के श्रीगंगानगर पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जेल सुपरिंटेंडेंट डॉण्अभिषेक शर्मा ने घटना की पुष्टि की। डॉ. अभिषेक शर्मा ने कहा कि बंदी योगेंद्र ने खुद की नस काट ली थी। उसे अस्पताल ले जाया गया। जहां उसने दम तोड़ दिया। गांव के पूर्व सरपंच सुरेंद्र पारीक ने बताया कि युवक नशे का आदी था। वह अपने उपयोग के लिए नशे की गोलियां लेने गया था। इसी दौरान गणेशगढ़ चौकी पुलिस ने उसे पकड़ लिया था। ग्रामीणों ने मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में पोस्टमार्टम की कारवाई की मांग की है। मृतक योगेंद्र के एक बेटा और दो बेटियां है। वह मेहनत मजदूरी करके परिवार का पेट पालता था।

बांध में युवक का शव मिला

रेवदर, (निसं)। समीपवर्ती बासन गांव स्थित बांध में रविवार को सुबह एक युवक किनारे पर तैरता हुआ दिखाई दिया। इसके बाद लोगों ने जैसे ही युवक को तैरता देखा तो इसकी सूचना रेवदर पुलिस को दी। जिसकी सूचना के बाद एएसआई दिनेश कुमार मय जाब्ता मौके पर पहुंचे और बांध में तैरते हुए युवक गोताखोरो की सहायता से बाहर निकाला। इसके बाद जब पुलिस ने जानकारी जुटाई तो पास ही में युवक के कपडे भी पडे हुए थे। साथ ही युवक के हाथ में अस्पताल की पट्टी भी बंधी हुई थी। वहीं आंख के नीचे चोट के निशान भी थे।

मामले की जानकारी मिलने पर दर्जनों की संख्या में ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे और युवक को रेवदर के राजकीय अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने मृतक युवक के शव को राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

मामले की जानकारी मिलने के बाद मृतक के भाई रमेश कुमार ने प्रथम दृष्टि पोपटलाल कोली की नहाने के समय डूबने से मौत होने का अंदेशा जताया और थाने में रिपोर्ट भी दी। वही बताया कि मृतक युवक मजदूरी का काम करता था। इसके बाद मृतक युवक का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया। जिसकी पुलिस जांच में जुटी हुई है।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के भीलवाड़ा आगमन पर राजस्थान जन मंच अध्यक्ष कैलाश सोनी के नेतृत्व में भव्य स्वागत अभिनंदन किया गया । राजस्थान जनमंच अध्यक्ष कैलाश सोनी ने बताया कि भीलवाड़ा में भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा के सानिध्य में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को दुपट्टा माला शाल ओढ़ाकर भव्य स्वागत अभिनंदन किया साथ ही प्रभु श्री नाथ जी की चरण पादुका तस्वीर भेंट की। इस दौरान हरीश भट्ट राजेश सेन ललित अग्रवाल विनोद झुरनानी सुरेंद्र सिंह मोटरास रामेश्वर मुंदड़ा सौरभ मांहेश्वरी जय नारायण जोशी पियूष शर्मा सहित राजस्थान जन मंच के सदस्य मौजूद थे।

सड़क हादसे में 3 महिलाओं की मौत

जोधपुर, (कासं) । फलोदी सीमा क्षेत्र में सड़क हादसे में दो सगी बहनों सहित तीन महिलाओं की मौत हो गई। थानाधिकारी फलोदी ने बताया कि खारा के पास फलोदी- रामदेवरा रोड पर कार-टर्बो की आमने-सामने भिड़न्त में कार में सवार छह लोग घायल हो गए, जिन्हें आपातकालीन एम्बुलेंस 108 से फलोदी जिला अस्पताल लाया गया।

जहां चिकित्सकों ने दो महिलाओं स्वाति (26) पत्नी अमन सिंघल निवासी इन्दौर व उषा (24) पत्नी भंवर कुमार निवासी जोधपुर को मृत घोषित कर दिया। गम्भीर घायल कंचन पत्नी शिवजी को गम्भीर हालात में जोधपुर रैफर किया गया, लेकिन कंचन ने बीच रास्ते में ही दम तोड़ दिया। इस प्रकार हादसे में तीन महिलाओं की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृतक तीन महिलाओं में कंचन व उषा दोनों सगी बहने हैं और स्वाति दोनों के भाई के साले की पत्नी है और इन दिनों जोधपुर से फलोदी अपने पिता रमणलाल सुथार के घर आई हुई थी। शनिवार को रामदेवरा दर्शन के लिए गई थी।

हादसे की सूचना मिलने पर सुथार समाज के साथ अन्य व्यक्ति भी अस्पताल पहुंचने से भीड़ हो गई। पुलिस उप अधीक्षक आयुष वशिष्ठ व थानाधिकारी रामेश्वर सहित पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा और मामले की जांच शुरू की।

- घायलों को आपातकालीन एम्बुलेंस 108 से फलोदी जिला अस्पताल लाया गया।

अपराधी अपराध छोड़ दें या चूरू छोड़ दें : एसपी यादव

पुलिस ने अवांछित-अपराधिक गतिविधियों में लिप्त अपराधियों की धरपकड़ हेतु विशेष अभियान ऑपरेशन वज्र प्रहार चलाया

चूरू, (का.सं.)। रविवार को एसपी जय यादव ने प्रेस वार्ता कर जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस इस ध्येय पर काम कर रही हैं कि या तो अपराधी अपराध छोड़ दें या चूरू छोड़ दें।

राजस्थान पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाये गये राज्य स्तरीय विशेष अभियान के तहत चूरू जिले में ऐसे अपराधी जो हथियारों के साथ वारदात करते हैं। गली मौहल्लों में भय पैदा करते है। जमीन व संपति के विवादों को निपटाने में भय का माहौल पैदा करते हैं। आपराधिक गतिविधियों करते हैं और अपराधिक गैंग के सदस्य हैं जो गम्भीर अपराध करते हैं, जिनकी अपराधिक गतिविधियों में लगाम कसने के लिए व उन पर सख्त कार्यवाही के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेन्द्र दादरवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजगढ़ किशोरीलाल व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजानगढ़ दिनेश कुमार के सुपरविजन में जिले के समस्त वृताधिकारियों के नेतृत्व में जिले के समस्त थानाधिकारियों एवं उनकी टीमों द्वारा विगत कुछ समय से तैयारियां की गयी थी।

अपराधियों की संकलन के बाद रविवार को ऑपरेशन वज्र प्रहार के तहत 485 ठिकानों पर एक साथ दबिश देकर आपराधियों को घेरा तथा आपराधिक ठिकानों की गहन तलाशी ली गई। पुलिस टीमों द्वारा की गई कार्यवाही में 22 स्थाई गिरफ्तारी वारण्टी सहित आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहे कुल 238 जनों को पुछताछ में लिया और वांछित प्रकरणों में कार्यवाही में 180 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

विशेष अभियान में 59 पुलिस टीमों में 289 से ज्यादा पुलिस अधिकारी, जवानों द्वारा दी गई दबिशों के दौरान कुल 109 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। इसके तहत चूरू पुलिस द्वारा अवांछित-अपराधिक गतिविधियों में लिप्त अपराधियों एवं असामाजिक तत्वों की धरपकड़ हेतु विशेष अभियान ऑपरेशन वज्र प्रहार चलाया गया। अभियान के दौरान अवैध मादक पदार्थ के तस्कर, अवैध शराब के तस्कर व अवैध प्रकार के कई तस्कर भी पकडे ग़ये। जानकारी के अनुसार विशेष अभियान के दौरान पुलिस अधीक्षक जय यादव द्वारा सम्पुर्ण मॉनिटरिंग कर पुलिस टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश देकर कार्यवाही को अंजाम दिया गया तथा सम्पूर्ण अभियान में समस्त पुलिस थानों के पुलिस बल ने सक्रिय भूमिका निभाई।

एसपी जय यादव ने चूरू में प्रेस वार्ता की

- अपराधिक गतिविधियों के खिलाफ जिला पुलिस ने 485 ठिकानों पर दी दबिश।
- सम्पूर्ण अभियान में समस्त पुलिस थानों के पुलिस बल ने सक्रिय भूमिका निभाई।
- दबिशों के दौरान कुल 109 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।

दो सिक्योरिटी गार्ड की मालगाडी की चपेट में आने से दर्दनाक मौत, परिजनों ने हत्या की आशंका जताई

पोकरण, (निसं)। पोकरण में दो सिक्योरिटी युवा गार्ड की मालगाडी की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतक के परिजनो ने हत्या की आशंका जताई।

थानाधिकारी एसएचओ राजूराम ने बताया कि हत्या की आशंका के चलते परिजन और ग्रामीण सुबह से पोकरण हॉस्पीटल की मोर्चरी के बाहर धरने पर बैठ हुए हैं। पोकरण के रहने वाले महेंद्र जटिया (21) पुत्र तेजाराम और प्रद्युम्न (22) पुत्र योगेश एलएनटी कंपनी (पोकरण) में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी कर रहे थे। दोनों पोकरण के स्थानीय निवासी थे। रानीखेत एक्सप्रेस से पहले पोकरण रेलवे स्टेशन से जैसलमेर के लिए रात 2.30० बजे मालगाडी निकली थी। ऐसे में हादसा संभावत: रात 2.30 से 3 बजे के बीच हुआ। सुबह करीब 5 बजे रेलवे पुलिस ने पोकरण पुलिस को सूचना दी। इसके बाद शवों को कब्जे में लेकर पोकरण हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया। समाचार लिखे जाने तक परिजनों वह कंपनी मालिक एव प्रशासन के बीचसहमति नहीं होने सेशवों को नही उड्ढाया गया

रेलवे के मुखराम ने बताया- रानीखेत एक्सप्रेस के ड्राइवर ने वॉकी-टॉकी के जरिए रविवार सुबह 5 बजे पोकरण रेलवे गार्ड को सूचना दी। बताया था कि सेल्वी गांव के पास ट्रैक पर दो शव पडे हैं। सूचना पर रेलवे पुलिस और पोकरण पुलिस मौके पर पहुंची। शिनाख्त होने के बाद परिजनों को सूचना दी गई। पुलिस से सूचना मिलने के बाद पोकरण हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी के बाहर लोग जुट गए। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई। एलएनटी कंपनी पर लापरवाही और सुरक्षा उपकरण नहीं देने का आरोप लगाया। फिलहाल समाज के लोग मुआवजे और एलएनटी कंपनी के अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग पर अडे हुए हैं। राजूराम ने बताया कि घटना को लेकर परिजनों ने अभी तक कोई रिपोर्ट नहीं दी है। परिवार वाले समाज के लोगों के साथ मॉर्च्युरी के बाहर बैठे हुए हैं। कंपनी के अधिकारियों का बुलाने की मांग कर रहे हैं।

परिजनों ने बताया कि दोनों युवक अविवाहित थे। चार दिन पहले ही वे सुरक्षा गार्ड की नौकरी पर लगे थे। उनकी सैलरी 15 हजार रुपए महीना तय हुई थी। प्रद्युम्न और महेंद्र स्कूल टाइम से दोस्त थे। प्रद्युम्न पहले अपनी डीजे पार्टी व सजावट की दुकान पर और महेंद्र पेंटिंग का काम करता था। काम में मंदी के चलते दोनों सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी पर लगे थे। दोनों का ड्यूटी टाइम रात 9 बजे से सुबह 4 बजे तक था। दोनों एक ही बाइक से साथ जाते थे। एलएनटी कंपनी की सिक्योरिटी देखने वाली कंपनी न्यू दिल्ली सिक्योरिटी सर्विस ने रेलवे ट्रैक के पास इलेक्ट्रिक वायर की सुरक्षा के लिए प्रद्युम्न और महेंद्र को 4 किलोमीटर का एरिया दिया था। प्रद्युम्न पोकरण में खटीक बस्ती का रहने वाला था। तीन भाई-बहन में वह दूसरे नंबर का था। उसके पिता की कुछ साल पहले मौत हो गई थी। बडा भाई सरकारी हॉस्पिटल में मरीजों के रजिस्ट्रेशन की पर्ची काटने का काम करता है। सबसे छोटी दिव्यांग बहन है। महेंद्र चार भाई-बहनों में दूसरे नंबर का था। वह पोकरण में भवानीपुरा कच्ची बस्ती का रहने वाला था। बडा भाई दिहाडी मजदूरी करता है। दो छोटी बहनें है। समाचार लिखे जाने तक उपखंड अधिकारी पर प्रभजोत सिंह गिल, एडिशनल एसपी गोपाल सिंह, क्षेत्रीयविधायक के पीए गुलाबसिंह, संतरामपुरी महाराज, सागसिह गड्डी पार्षद नारायण रंगा, राजु राम,सुरेश नागोरा, सहित अन्य समाजो के लोग घरनास्थल पर उपस्थित रहे।

नकबजनी की वारदातों का पर्दाफाश, एक गिरफ्तार

जालोर, (कासं)। जालोर कोतवाली पुलिस ने रविवार को नकबजनी की वारदातो का पर्दाफाश कर किशन उर्फ गुगा को गिरफ्तार किया। उक्त आरोपी से पुलिस ने 4,12,000 रूपये नगद व करीब 2 किलो चांदी के जेवरात बरामद किए। जालोर पुलिस अधीक्षक ज्ञानचन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में नकबजनी व चोरी की वारदातों के खुलासे, चोरी व नकबजनी की वारदातों की रोकथाम के लिए चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत कोतवाल जसवन्तसिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने शातिर नकबजन व हिस्ट्रीशीटर किशन उर्फ गुंगा पुत्र जगदीश जाति माली निवासी ताशखाना बावडी हाल एफसीआई जालोर को दस्तयाब कर गहनता से पुछताछ की गई तो उक्त आरोपी किशन उर्फ गुंगा ने जालोर शहर की कई जगह नकबजनी व चोरी करना कबुल किया है। पुलिस ने आरोपी किशन उर्फ गुंगा के कब्जे से कुल 4,12,000 रूपये नगद व करीब 2 किलो चादी के जेवरात व सोने के गहने बरामद किये। प्रकरण का सहअभियुक्त चिन्दुसिंह उर्फ गोरधनसिंह पुत्र मालमसिंह जाति राजपुत निवासी रेल्वे स्टेशन जालोर बाद घटना फरार है, जिसकी तलाश जारी है। सहअभियुकत को शीघ्र दस्तयाब कर प्रकरण अनवान में माल मसरूका बरामद किया जायेगा।

घटना का विवरण:- मोहनलाल पुत्र पोलाराम जाति माली निवासी राजेन्द्र नगर जालोर ने 1 मार्च को रिपोर्ट पेश कर बताया कि 26 फरवरी 2024 को दिन के समय अज्ञात चोर द्वारा मकान के ताले तोडकर चादी के जेवरात व नगद रूपये चोरी कर ले गया। वही आबीदखान पुत्र अहमद खांजी जाति मुसलमान निवासी घरडा पावटी रोड जालोर ने 3 मार्च को रिपोर्ट पेश कर बताया की 02 मार्च को समय 2 बजे से 03.00 पीएम के मध्य में घर से अज्ञात चोर द्वारा सोने चादी के जेवरात व नगद रूपये चोरी के ले गया। वही 8 मार्च को नारायणसिंह पुत्र जोईताराम जाति राजपुरोहित निवासी जालोर ने रिपोर्ट पेश कर बताया कि में मेरे परिवार सहित मंदिर दर्शन हेतु गये हुये थे, पिछे से अज्ञात चोरों ने घर के मुख्य दरवाजा व अन्दर कमरों के ताले तोडकर घर में रखे सोने, चांदी के आभुषण व रूपये चोरी कर ले गये, जिस प्रकरण दर्ज कर जांच शुरु की।

हैकर्स के दलाल गिरफ्तार, 25 लाख की ऐवज में 50 बैंक खाते खुलवाकर हैकर्स को बेचे

पाली, (नि.सं.)। प्रोफेसर को शेयर मार्केट में ट्रेडिंग का झांसा देकर साइबर ठगों ने एक साथ 40 लाख 50 हजार रुपए ठग लिए। जब पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला आरोपी हैकर्स के दलाल भी हैं।

पाली के जो आरोपी हैं, हैकर्स ने इन्हें अपने जाल में फंसा रखा है। हैकर्स दोनों आरोपियों को खाते खरीदने के एवज में 50 हजार रुपए देते थे। इस तरह से आरोपी अब तक 50 खाते खुलवा कर हैकर्स को बेच चुके हैं। इसके एवज में आरोपी 25 लाख रुपए ले चुके हैं। इनमें से अकाउंट होल्डर को भी20 से 30 हजार रुपए देते थे। मामला गुरुवार का पाली का औद्योगिक थाने का है। यहां पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा समेत अन्य प्राइवेट बैंकों में गरीबों और मजदूरों के खाते खुलवाते थे। साथ ही उन्हें 30 हजार रुपए देते थे। इसके बाद आरोपी इनके खाते की डिटेल हैकर्स को 50 हजार रुपए में बेच देते थे। वहीं, फेसबुक के जरिए प्रोफेसर से शेयर मार्केटिं में साढ़े 40 लाख रुपए ठग लिए। औद्योगिक थाने की एसएचओ पाना चौधरी ने बताया कि पाली के सोसायटी नगर निवासी 41 वर्षीय आरोपी श्रवण कुमार पुत्र जगदीश कुमार और नेपाल निवासी अाषिक दोनों एक ठोनाइट फैक्ट्री में काम करते थे। श्रवण सोसायटी नगर निवासी दिलीप सोनी को जानता था जो इस तरह की ठगी का काम करता था। एक मामले में वह जेल में गया तो श्रवण ने ठगी का यह काम करना शुरू कर दिया। इसको लेकर उसने अपने साथी अभीषेक को साथ लिया और 10 हजार रुपए प्रति महीने के हिसाब से औद्योगिक नगर थाना क्षेत्र के भगवतीविहार (गुरु नगर) में मकान किराए पर लिया और ठगी शुरू कर दी।

पुलिस ने हैकर्स के दलाल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

बैंक खातों से तीन करोड़ का लेनदेन: जिन मजदूरों के अकाउंट खुलवाए है उनसे अभीतक कोई लेनदेनभीनहीं किया गया है। जिन ठकों ने अकाउंट खुलवाया है, उसमें मोबाइल नम्बर भी हैकर्स द्वारा दिया गयाहै, जो खाते में अपडेट किया गया है। आरोपियों ने बताया कि खाते में लगा हुआ नम्बर हैकर्स के पास रहता है, जिससे खाते संबंधी ओटीपी का प्रयोग कर सकें। हैकर्स अब तक इन खातों से लगाग तीन करोड़ रुपए का लेनदेन कर चुके हैं। **हवाला के जरिए चार खातों के दिए दो लाख रुपए:** आरोपी श्रवण कुमार जिन साइबर ठगों से बात करता था, वह उसे ऑनलाइन फर्जी नम्बरों से कॉल करते थे। वे कौन थे,उन्हें यह नहीं जनता है, ना ही कभी मिला है। खुद के और अभिषेक के इसने 4 बैंक अकाउंट खुलवाए और उसके बदले साइबर ठग ने इन्हें दो लाख रुपए दिए। यह रुपए लेने श्रवण सूरत के पास के गांव में गया था। जहां उसे हवाले के जरिए दो लाख रुपए दिए गए। रुपए देने वाले कौन थे, वे इसके सामने नहीं आए।

बसों से भेजते थे बैंक डायरी, एटीएम और चेकबुक: आरोपी श्रवण को एक बैंक अकाउंट खुलवाने के बदले 50 हजार रुपए मिलते थे। उसने करीब 50 अकाउंट खुलवाने की बात की है। जिसमें कंटालिया गांव के एक युवक का भी बैंक अकाउंट शामिल है। आरोपियों ने दो से तीन करोड का लेनदेन इन अकाउंट से किया है। खुलवाए गए बैंक अकाउंट की डायरी, एटीएम चेकबुक आदि आरोपी साइबर फ्रॉड को बस के जरिए सूरत की तरफ भेजते थे। उस पर सिर्फ नाम और मोबाइल नम्बर लिखा होता था।